जवाहरलाल नेहरू बंदर प्राधिकरणाच्या मेगा सी एस आर मोहिमेअंतर्गत महाराष्ट्राचे माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस यांच्या उपस्थितीत सी डी आर ओ एम इ एज्युकेशन सोसायटीला ३.५ कोटी रुपयांचा निधी देण्यात आला

मुंबई, १८ जुलै, २०२४ : जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जनेपप्रा), भारतातील सर्वोत्कृष्ट कामगिरी करणारे बंदर, त्यांच्या कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सी एस आर) उपक्रमाचा एक भाग म्हणून त्यांनी एक सामंजस्य करार केला आणि सी डी आर ओ एम इ एज्युकेशन सोसायटी, मुंबईला निधीचा धनादेश सुपूर्द केला. महाराष्ट्राचे माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस यांच्या मान्यवर उपस्थितीने या कार्यक्रमाला शोभा आली. जनेपप्राचे अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, आय आर एस, यांनी भारत सरकारच्या आदिवासी व्यवहार मंत्रालयाचे वरिष्ठ अधिकारी आणि जनेपप्राच्या सर्व विभाग प्रमुखांच्या उपस्थितीत चेक सुपूर्द केला.

जनेपप्रा एक सामाजिक जबाबदार संस्था असल्याच्या तत्त्वज्ञानावर जोर देऊन, श्री उन्मेष शरद वाघ, जनेपप्राचे अध्यक्ष, आयआरएस, म्हणाले, “आदिवासी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, यांनी एकलव्य मॉडेल निवासी शाळांमध्ये (ईएमआरएस) विद्यार्थ्यांना दिल्या जाणाऱ्या शिक्षणाच्या गुणवत्तेत सुधारणा करण्याच्या गरजा सांगितल्या होत्या. आम्हाला आनंद आहे कि आम्ही या गरजा आमच्या कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) माध्यमातून पूर्ण करू शकलो. हा प्रकल्प ईएमआरएस शाळांची तंत्रज्ञानदृष्ट्या उन्नती करेल आणि आदिवासी विद्यार्थ्यांना चांगले शिक्षण आणि शिकण्याची व्यवस्था पुरवेल. जेएनपीएच्या योगदानाने, हा प्रकल्प महाराष्ट्रातील ३८ ईएमआरएसमध्ये गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पुरविण्यात मदत करेल.”

हा प्रकल्प सीडीआरओएमई एज्युकेशन सोसायटी, कल्याणद्वारे उद्योजकता आणि ग्रामीण विकास केंद्र (ईआरडीसी) - आयआयटी रोपर यांच्या सहकार्याने राबविण्यात येणार आहे. या प्रकल्पांतर्गत, संगणक प्रयोगशाळेत एकूण १००० संगणक बसवले जातील, शिक्षकांना ७६ टॅब्लेट प्रदान केले जातील आणि १०वी आणि १२वीच्या विद्यार्थ्यांसाठी सायकोमेट्रिक चाचणी, मानसिक आरोग्य समर्थन, करिअर समुपदेशन आणि मार्गदर्शन कार्यक्रम, तसेच शिक्षक प्रशिक्षण, महाराष्ट्रातील ३८ एकलव्य मॉडेल निवासी शाळांमध्ये घेण्यात येणार आहे. सुमारे २००० आदिवासी विद्यार्थ्यांना या प्रकल्पाचा लाभ होणार आहे.

२९ मे २०२४ रोजी हॉटेल ताजमहाल पॅलेस, मुंबई येथे आयोजित जनेपप्राच्या ३५ व्या वर्धापन दिन सोहळ्यादरम्यान, महाराष्ट्राचे माननीय राज्यपाल यांनी जनेपप्राने घेतलेल्या सामाजिक उपक्रमांची प्रशंसा केली.

आरोग्याशी संबंधित उपक्रम, आरोग्य शिबिर आणि व्यावसायिक प्रशिक्षणाच्या माध्यमातून महिला सक्षमीकरण, जनेपप्राने सीएसआर उपक्रमांतर्गत अनेक उपक्रम राबवले आहेत. जनेपप्राच्या सीएसआर धोरणामध्ये तरुणांना शैक्षणिकदृष्ट्या सक्षम करणे ही बाब नेहमीच आघाडीवर राहिली आहे.

या अनुषंगाने, जनेपप्रा वाढवण पोर्ट स्किलिंग प्रोग्राम देखील वाढवण आणि जवळच्या गावातील तरुणांसाठी आणत आहे. जेएन पोर्टने बृहन्मुंबई कस्टम ब्रोकर्स असोसिएशन आणि सेंट्रल इन्स्टिट्यूट ऑफ फिशरीज एज्युकेशन यांसारख्या विविध संस्थांच्या सहकार्याने या आधीच अनुक्रमे कस्टम

क्लिअरन्स सर्व्हिसेस आणि फिश प्रोसेसिंग आणि मूल्यवर्धित उत्पादनांमध्ये रोजगाराच्या संधींवर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित केला आहे.

हा उपक्रम जनेपप्राची समाजाच्या कल्याणासाठी आणि सामाजिकदृष्ट्या जबाबदार घटक म्हणून बांधिलकीवर प्रकाश टाकतो. जनेपप्रा केवळ देशाच्या आर्थिक विकासात योगदान देत नाही तर देशाच्या सामाजिक कल्याणासाठी देखील योगदान देते.

जनेपप्रा बद्दल:

जवाहरलाल नेहरू बंदर प्राधिकरण (जनेपप्रा) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापन झाल्यापासून, जनेपप्राने बल्क कार्गो टर्मिनलमधून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतर केले आहे. अशा प्रकारे, जनेपप्राच्या समृद्ध अनुभवाचा फायदा घेत, भारत सरकारने प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीची जबाबदारी जनेपप्रावर सोपवली आहे.

सध्या, जनेपप्रा पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते - एनएसएफटी, एनएसआयसीटी, एनएसआयजीटी, बीएमसीटी आणि एपीएमटी. बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेपप्रा पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवण्यास सुलभ करतो.

२७७ हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेपप्रा भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहु-उत्पादन एसइझेड देखील चालवते.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेपप्रा:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेपप्रा

मो: +९१९७६९७६९१००

ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण के मेगा सी एस आ र अभियान के तहत महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस की उपस्थिति में सी डी आर ओ एम इ एजुकेशन सोसाइटी को **3.5** करोड़ रुपये का फंड दिया गया

मुंबई, 18 जुलाई, 2024: भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेपप्रा) ने अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सी एस आर) पहल के तहत 17 जुलाई, बुधवार को राजभवन में सी डी आर ओ एम ई एजुकेशन सोसाइटी, मुंबई को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और फंड का चेक सौंपा। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनेपप्रा के अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, आईआरएस, ने चेक सौंपा, उनके साथ भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और जनेपप्रा के सभी विभागाध्यक्ष (एचओडी) भी मौजूद थे।

जनेपप्रा के सामाजिक रूप से जिम्मेदार संगठन होने पर जोर देते हुए, जनेपप्रा के अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, आईआरएस ने कहा, "भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ई एम आर एस) में छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने की आवश्यकता थी। हम अपनी सी एस आर गतिविधि के माध्यम से इन आवश्यकताओं को पूरा करने में बहुत प्रसन्न हैं। यह परियोजना ई एम आर एस विद्यालयों को तकनीकी रूप से उन्नत करेगी और आदिवासी छात्रों को बेहतर शिक्षा और सीखने की प्रणाली प्रदान करेगी। जनेपप्रा के योगदान से, यह परियोजना महाराष्ट्र में 38 इ एम आर एस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगी।"

यह परियोजना कल्याण स्थित सी डी आर ओ एम इ एजुकेशन सोसाइटी द्वारा उद्यमिता एवं ग्रामीण विकास केंद्र (इ आर डी सी) - आईआईटी रोपड़ के सहयोग से क्रियान्वित की जाएगी। इस परियोजना के तहत कंप्यूटर लैब में कुल 1000 कंप्यूटर लगाए जाएंगे, शिक्षकों को 76 टैबलेट दिए जाएंगे और महाराष्ट्र के 38 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, करियर काउंसलिंग और मेंटरशिप कार्यक्रम के साथ-साथ शिक्षक प्रशिक्षण भी चलाया जाएगा। इस परियोजना से करीब 2000 आदिवासी छात्रों को लाभ मिलेगा।

29 मई, 2024 को मुंबई के होटल ताज महल पैलेस में आयोजित जनेपप्रा के 35वें वर्षगांठ समारोह के दौरान, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल ने जनेपप्रा द्वारा की गई इस सामाजिक पहल की सराहना भी की थी।

स्वास्थ्य संबंधी पहलों से लेकर स्वास्थ्य शिविर और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण तक, जनेपप्रा ने पिछले कुछ वर्षों में सी एस आर गतिविधि के तहत कई पहलें की हैं। युवाओं को शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना, हमेशा से जनेपप्रा की सी एस आर नीति में सबसे आगे रहा है।

इसके साथ ही, जनेपप्रा वाधवन और आस-पास के गांवों के युवाओं के लिए वाधवन पोर्ट स्किलिंग प्रोग्राम भी शुरू कर रहा है। बृहन्मुंबई कस्टम ब्रोकर्स एसोसिएशन और सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन जैसे विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर जनेपप्रा ने पहले ही कस्टम्स क्लीयरेंस सेवाओं, मछली प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धित उत्पादों में रोजगार के अवसरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

यह पहल समाज की भलाई और सामाजिक रूप से जिम्मेदार इकाई होने के प्रति जनेपप्रा की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। जनेपप्रा न केवल राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान देता है, बल्कि देश के सामाजिक कल्याण में भी योगदान देता है।

जनेपप्रा के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जनेपप्रा) भारत में प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई, 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जेएनपीए एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर बंदरगाह में तब्दील हो गया है। इस प्रकार, जनेपप्रा के समृद्ध अनुभव का लाभ उठाते हुए, भारत सरकार ने परियोजना के कार्यान्वयन का जिम्मा जेएनपीए को सौंपा है।

वर्तमान में, जनेपप्रा पांच कंटेनर टर्मिनलों का संचालन करता है - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए एक उथले पानी का बर्थ भी है। जेएनपीए बंदरगाह पर मौजूद एक लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने में मदद करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर स्थित, जनेपप्रा भारत में निर्यातोन्मुख उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए बहु-उत्पाद एसईजेड का भी संचालन करता है।

मीडिया संबंधी पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें:

जनेपप्रा:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेपप्रा

मोबाइल: +919769769100

ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in

JNPA's Mega CSR Drive, funds 3.5 Cr to CDROME Education Society in the presence of the Hon'ble Governor of Maharashtra, Shri Ramesh Bais

Mumbai, July 18th, 2024: The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA), India's Best Perfroming Port, as a part of their Corporate Social Responsibility (CSR) initiative signed an MoU and handed over the fund cheuqe to CDROME Education Society, Mumbai, on July 17th, Wednesday, at Raj Bhavan. The event was graced by the esteemed presence of the Hon'ble Governor of Maharashtra, Shri Ramesh Bais. The cheque was handed over by Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman of JNPA, in the presence of the senior officials from the Ministry of Tribal Affairs, Govt. of India, and all Heads of Departments (HoDs) of JNPA.

Emphasising JNPA's philosophy of being a socially responsible organisation, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman of JNPA, stated, "The Ministry of Tribal Affairs, Govt. of India, had requirements to improve the quality of education provided to students at the Eklavya Model Residential Schools (EMRS). We were more than delighted to fulfill these requirements through our CSR activity. This project will technologically upgrade the EMRS schools and provide a better education and learning system to the tribal students. With JNPA's contribution, this project will help provide quality education in 38 EMRS in Maharashtra."

This project will be implemented by CDROME Education Society, Kalyan in collaboration with the Entrepreneurship & Rural Development Centre (ERDC) - IIT Ropar. Under the project, a total of 1000 computers will be installed in computer labs, 76 tablets will be provided to teachers, and a psychometric test, mental health support, career counselling, and mentorship programme for students of 10th and 12th classes, as well as teacher training, will be undertaken in 38 Eklavya Model Residential Schools in Maharashtra. Around 2000 tribal students will benefit from this project.

During the 35th Anniversary Celebration function of JNPA held on May 29th, 2024, at Hotel Taj Mahal Palace, Mumbai, the Hon'ble Governor of Maharashtra commended the social initiatives taken by JNPA.

Taking from health related initaitives, women empowerment through health camp and vocational training, over the years JNPA has carried out several initiatives under CSR activity. Educationally empowering the youth has always been at the forefront of JNPA's CSR policy.

Aliging with this, JNPA is also coming up with Vadhvan Port Skilling Program for the youth of Vadhvan and near by villages. JN port in association with various organizations like Brihanmumbai Custom Brokers Association and Central Institue of Fisheries Education have already conducted training program on Employment Opportunities in Customs Clearance Services and fish processing and value-added product respectively.

This initiative highlights JNPA's commitment to the well-being of society and being a socially responsible entity. JNPA not only contributes to the economic growth of the nation but also to social welfare of the country.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country. As such, leveraging on rich experience of JNPA, the Govt of India has entrusted the implementation of the project to JNPA.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

For media enquiries, please contact:

JNPA:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919769769100
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in